

# Symbiosis Law School Pune

## NATIONAL VIRTUAL DISCUSSION CUM PUBLIC CONSULTATION ON TRANSFORMATION OF THE CRIMINAL JUSTICE SYSTEM IN INDIA

MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA INITIATIVE

News clipping and news published online in Pune, Mumbai, Maharashtra, Bangalore,  
Mangalore and other state's web portal.

1. Lokmat News Network:

### शिक्षेचे प्रमाण वाढिवण्यासाठी अमेरिकन तपास पध्दत हवी

#### अॅड. उज्ज्वल निकम, सिंबायोसिस विद्यापीठात चर्चासत्र

लोकमत न्यूज नेटवर्क

पुणे: गुन्हांबद्दल शिक्षेचे प्रमाण वाढावे, यासाठी अमेरिकन तपास पध्दतीचा अवलंब करण्याची आवश्यकता आहे, असे प्रतिपादन विशेष सरकारी वकील अॅड. उज्ज्वल निकम यांनी केले.

फौजदारी कायद्याचा आढावा घेत त्यातील लोकाभिमुख बदलांबाबत सोमवारी (ता. १९) दुपारी ऑनलाइन चर्चासत्र आयोजित करण्यात आले होते. सिंबायोसिस आंतरराष्ट्रीय विद्यापीठाच्या सिंबायोसिस विधी महाविद्यालयाने या चर्चासत्राचे आयोजन केले होते. त्यावेळी निकम बोलत होते.

चर्चासत्रात न्या. शालिनी फणसळकर जोशी, ज्येष्ठ विधिज्ञ अॅड. एस. के. जैन, टाटा इन्स्टिट्यूट ऑफ सोशल सायन्सचे डॉ. अरविंद तिवारी, माजी कुलपती डॉ. एस. सी. रैना, मनोविकार तज्ज्ञ डॉ. हरीश शेटी,

**सरकारी वकीलांचे सहकार्य**  
अॅड. निकम म्हणाले, अमेरिकेत गुन्हा घडल्यानंतर पोलिस तपास सुरु असतानाच सरकारी वकील त्यांना सहकार्य करतात. त्यामुळे आरोपपत्र दाखल करताना कोणतीही त्रुटी रहात नाही. परिणामी गुन्हेगाराला कायद्यातील पळवाटांचा फायदा होत नाही आणि शिक्षेचे प्रमाण वाढते. याउलट आपल्याकडे होते परिणामी गुन्हेगार कायद्यातील पळवाटा शोधून निदोष सुटतात आणि शिक्षेचे प्रमाण घटते. वरीष्ठ पोलिस अधिकाऱ्यांनीही वेळोवेळी तपासाकडे लक्ष दिले पाहिजे.

**सुनावणी दरम्यान बदली नको**  
अॅड. जैन म्हणाले, महत्त्वाच्या गुन्हाचा तपास करणाऱ्या अधिकाऱ्याची बदली सुनावणी दरम्यान करू नये. तसे झाल्यास तपासी अधिकारी आणि सरकारी वकील यांच्यामध्ये समन्वय साधून साक्षीदाराने नेमके काय सांगायचे आहे, गुन्हाचा तपास नेमका कसा केला याची सविस्तर माहिती मिळाल्याने गुन्हा सिध्द होण्यास मदत होते.

यांनी चर्चासत्राचे सूत्रसंचालन केले. चर्चासत्राद्वारे तज्ज्ञांकडून आलेल्या सूचना व ऑनलाइन मतदानाच्या आधारे आलेले प्रतिसाद, केंद्रीय गृह मंत्रालयाला पाठविण्यात येणार आहे.



## राजुरा वयाल अपघातात दुचाका मृत्यू

**आळेफाटा :** राजुरी (ता. जुन्नर) येथे आज (ता. १८) सायंकाळी कल्याण - नगर महामार्गावर एस.टी. व दुचाकी यांच्यात धडक होऊन झालेल्या अपघातात दुचाकीवरील २ जण जागीच ठार झाले. राजुरी येथे श्रीराम मंगल कार्यालयासमोर कल्याण - नगर महामार्गावरून नगर बाजूकडून कल्याणकडे येणारी एस.टी. बसगाडी व कल्याणकडून नगरकडे जाणारी दुचाकी यांच्यात धडक होऊन हा अपघात झाला. यात दुचाकीवरील दोघे तरुण जागेवरच ठार झाले. या मृतांपैकी एक जण बेलहे येथील रहिवासी आहे. दरम्यान, पुढील तपास पोलीस उपनिरीक्षक सचिन डौले करीत आहेत.

## कायद्यातील बदलांबाबत आज चर्चासत्र

**पुणे :** फौजदारी कायद्याचा आढावा घेत त्यातील लोकाभिमुख बदलांबाबत सोमवारी (ता. १९) दुपारी तीन वाजता ऑनलाइन चर्चासत्र आयोजित केले आहे. सिम्बायोसिस आंतरराष्ट्रीय विद्यापीठाच्या सिम्बायोसिस विधी महाविद्यालयाने (एसएलएस) या चर्चासत्राचे आयोजन केले आहे. चर्चासत्रात विशेष सरकारी वकील उज्वल निकम, अॅड. सतीश माने-शिंदे, अॅड. हितेश जैन, टाटा इन्स्टिट्यूट ऑफ सोशल सायन्सचे डॉ. अरविंद तिवारी, माजी कुलपती डॉ. एस. सी. रैना, मनोविकार तज्ज्ञ डॉ. हरीश शेटी आणि समाजशास्त्र तज्ज्ञ डॉ. डॉ. पी. सिंग आदी तज्ज्ञ मार्गदर्शन करणार आहेत. चर्चासत्रात सहभागी होण्यासाठी [director@symlaw.ac.in](mailto:director@symlaw.ac.in) या मेल आयडीवर संपर्क करावा.

### केन्द्रीय विद्यालय, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी-पुणे सामग्री एवं सेवा आपूर्तिकर्ता के पंजीकरण हेतु विज्ञापन (Vendor Registration for KV NDA, Pune)

केन्द्रीय विद्यालय, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला, पुणे विद्यालय में उपयोग आनेवाली विभिन्न सामग्री एवं सेवाएं प्रदान करने हेतु विश्वसनीय प्रतिष्ठानों के पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करता है। विद्यालय को आपूर्ति की जानेवाली सामग्रियों एवं सेवाओं का विवरण निम्नलिखित है-

प्रयोगशाला सामग्री (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान प्रयोगशाला से संबंधित)  
(Laboratory Equipments), खेलकूद सामग्री (Sports Material), कार्यालयी लेखन सामग्री (Office Stationary materials), गृह रख-रखाव एवं संरक्षण सेवाएं, सुरक्षा सेवाएं

# ‘भारतीय फौजदारी न्याय प्रणाली में परिवर्तन’ विषय पर चर्चा-सत्र

सिम्बायोसिस लॉ कॉलेज द्वारा ऑनलाइन आयोजन : कानून की समीक्षा करने की प्रक्रिया

विमाननगर, 21 अक्टूबर (आ.प्र.)

सिम्बायोसिस लॉ कॉलेज द्वारा भारतीय फौजदारी न्याय प्रणाली के परिवर्तन के विषय पर ऑनलाइन चर्चा-सत्र का आयोजन किया गया है। मंगलवार (19 अक्टूबर) की दोपहर हुए चर्चासत्र में छह विषयों पर चर्चा की गई। इनमें न्यायाधीश, सरकारी वकील, वकील, शिक्षा विशेषज्ञ, पुलिस, गैर-सरकारी संस्था, प्रसार माध्यमों और कारागृह अधिकारियों के साथ करीब 100 से अधिक विशेषज्ञ शामिल हुए।

प्रमुख रूप से दंड विधान, फौजदारी प्रक्रिया संहिता, इंडियन इवीडेंस एक्ट और एंटी नारकोटिक्स एक्ट में आम लोगों को आर्थिक दृष्टि से सस्ते और लोकाभिमुख बदलाव करने की जरूरत है, इसी उद्देश्य से कानून में बदलाव करने की तैयारी शुरू है। इसके मद्देनजर यह ऑनलाइन चर्चा-सत्र हुआ।

इसमें विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल मिश्र, एड. एस. के. डैन, एड. सतीश मानेकिंदे, एड. हितेश जैन, गिटार्बर्ड पुलिस अधिकारी भानुप्रताप बर्गे और

## चर्चासत्र में रखे गए कई महत्वपूर्ण बिंदु

- ✓ जॉब सिरस्टम और सरकारी वकीलों के बीच समन्वय का अभाव
- ✓ मीडिया में मामला आने से वेस पर पड़ने वाला परिणाम व इसे रोकने के लिए केस खदने की कार्रवाई का उभाव
- ✓ गवाहों के साथ सम्मानजनक व्यवहार की जरूरत है, गवाहों को भावनात्मक सुरक्षा देना आवश्यक है, गवाहों के मानवाधिकार सुनिश्चित रखने के लिए जनजागृति पर अधिक जोर दिया जाए
- ✓ सीआरपीसी की धारा 258 के अनुसार आवेदन देने पर कोर्ट के कामकाज की वजह से देरी और अंडर ट्रायल कैदियों की प्राथमिक समस्या कम हो सकती है
- ✓ साइबर फॉरेंसिक लैब की तीव्रता कम है

पत्रकार रोहित आठवले, मुंबई हाईकोर्ट की जज डॉ. शालिनी फणवालकर जोशी, एन.ए.एल.एस.ए. में बदलाव और पॉलिमी सलाहकार अशोक अग्रवाल, एड. लतिका सालगांवकर, मनोचिकित्सज्ञ डॉ. हरीश शेट्टी, केआईआईटी भुवनेश्वर के डायरेक्टर डॉ. एस. सी. देवा, एन.ए.एल. एस.ए. के डायरेक्टर सुनील चौहान, आईआरएस नितिन कोंडावले पाटिल, टीआईएसएस में समाजशास्त्र विशेषज्ञ डी. पी. सिंह, एड. संपत कुलुमु, सेल हजीरा,

एल.एन.जी. डॉ. अरविंद दिवारी, साइबर फॉरेंसिक एक्सपर्ट डॉ. हेरोल्ड डीकोस्ता आदि शामिल हुए थे।

इस ऑनलाइन चर्चा-सत्र में प्रमुख रूप से पुलिस अधिकारियों व सरकारी वकीलों में समन्वय रखकर सजा में अपेक्षित बढ़ोतरी, गवाहों की सुरक्षा, केस हटाने के प्रावधान का गलत इस्तेमाल, साइबर एंड फॉरेंसिक, किलहाल जेल से छोड़ने के मुद्दे पर चर्चा की गई।

विभिन्न पैन्ल से मॉडरेटरन सिम्बायोसिस

## कानून में परिवर्तन लाना केंद्र का उद्देश्य

फौजदारी कानून में परिवर्तन लाना केंद्र सरकार का उद्देश्य है। इसी के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुणे के सिम्बायोसिस लॉ कालेज लॉ को आमंत्रित किया है। इसकी प्रक्रिया के एक भाग के रूप में चर्चा-सत्र से इस विषय की समीक्षा करके फौजदारी कानून की कमियों को समझा गया। तय विषयों के अनुसार सिम्बायोसिस की टीम द्वारा सुझाए गए सिफारिश की समीक्षा की गई। हर विषय के बाद ऑनलाइन प्रश्नावली भेजकर इस पर ऑनलाइन राय ली गई।

अंतर्राष्ट्रीय डीप्ट यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट की डायरेक्टर और डीन डॉ. शशिकला गुरुपुर ने किया। जबकि उनके सहसंयोजक के रूप में डॉ. आनंदाश्रम शेलके, एड. संग्रामजीत बण्हाण, प्रोफेसर चैत्राली देशमुख, अस्मिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आशीष देशपांडे और अस्मिस्टेंट प्रोफेसर शिरीष कुलकर्णी ने सहयोग किया। प्रोफेसर लालसा व्याकरण ने कार्यक्रम का सूत्र-संचालन किया। जबकि उपसंचालिका डॉ. विंदू रोनाल्ड ने आभार जताया।

4. Media Bulletins - <http://mediabulletins.com/business-world/virtual-panel-discussion-cum-public-consultation-on-transformation-of-the-criminal-justice-system-in-india-ministry-of-home-affairs-government-of-india-initiative/>

HOME / BUSINESS WORLD / VIRTUAL PANEL DISCUSSION CUM PUBLIC CONSULTATION ON TRANSFORMATION OF THE CRIMINAL JUSTICE SYSTEM IN INDIA MINISTRY

Business World

# Virtual Panel Discussion Cum Public Consultation on Transformation of The Criminal Justice System In India Ministry of Home Affairs, Government of India Initiative

6 days ago Pariti. Gayathri



Like Tweet Save Share

Symbiosis Law School Pune, a constituent of Symbiosis International (Deemed University), hosted a Panel Discussion cum Public Consultation on 'Transformation of Criminal Justice System in India'. The 'virtual Panel Discussion cum Public Consultation' was conducted on 19 October, 2020, from 3:00 pm to 7:30 pm.

The Government of India aims to make fundamental changes to the Indian Criminal Law framework and Criminal Justice System, in order to make it more accessible, affordable and citizen centric. The Ministry of Home Affairs, Government of India, has therefore invited Symbiosis Law

5. The New Biz - <https://thenewzbiz.com/?p=3345>

BUSINESS EVENTS    LATEST NEWS

## VIRTUAL PANEL DISCUSSION CUM PUBLIC CONSULTATION ON TRANSFORMATION OF THE CRIMINAL JUSTICE SYSTEM IN INDIA

MINISTRY OF HOME AFFAIRS, GOVERNMENT OF INDIA INITIATIVE

TheNewz Biz · 2 days ago



Share this Newz

The Newz Biz Team, Pune

Symbiosis Law School Pune, a constituent of Symbiosis International (Deemed University), hosted a Panel Discussion cum Public Consultation on "Transformation of Criminal Justice System in India".

The Government of India aims to make fundamental changes to the Indian Criminal Law framework and Criminal Justice System, in order to make it more accessible, affordable and citizen-centric. The Ministry of Home Affairs, Government of India, has therefore invited Symbiosis Law School, Pune, to engage in research cum public consultation to review the criminal laws of the country and bring forth the necessary recommendations by engaging the public to improve them. In furtherance of the same, a team of Symbiosis Law School, Pune reviewed the relevant literature and collected data from more than 120 stakeholders including Judges, Lawyers, Academicians, Police, third gender, psychologist, researchers, experts, forensic officers, paralegal volunteers, journalists, social workers, sociologist, accused/suspects, victims and Prison Officials, in order to understand the gaps of the Criminal Legal Justice System.

6. Punekar News - <https://www.punekarnews.in/pune-virtual-panel-discussion-cum-public-consultation-on-transformation-of-criminal-justice-system-in-india/>



HOME / PUNE / PUNE: VIRTUAL PANEL DISCUSSION CUM PUBLIC CONSULTATION ON TRANSFORMATION OF CRIMINAL JUSTICE SYSTEM IN INDIA

Pune

## Pune: Virtual Panel Discussion Cum Public Consultation On Transformation Of Criminal Justice System In India



Pune, October 21, 2020: Symbiosis Law School Pune, a constituent of Symbiosis International (Deemed University), hosted a Panel Discussion cum Public Consultation cum Public Consultation on 'Transformation of Criminal Justice System in India'. The 'virtual Panel Discussion cum Public Consultation' was conducted on 19th October.

The Government of India aims to make fundamental changes to the Indian Criminal Law framework and Criminal Justice System, in order to make it more accessible, affordable and citizen-centric. The Ministry of Home Affairs, Government of India, has therefore invited Symbiosis Law School, Pune, to engage in research cum public consultation to review the criminal laws of the country and bring forth the necessary recommendations by engaging the public to improve them. In furtherance of the same, a team of Symbiosis Law School, Pune reviewed the relevant literature and collected data from more than 120 stakeholders including Judges, Lawyers, Academicians, Police, third gender, psychologist, researchers, experts, forensic officers, paralegal volunteers, journalists, social workers, sociologist, accused/suspects, victims and Prison Officials, in order to understand the gaps of the Criminal Legal Justice System.

7. City Air News - <https://www.cityairnews.com/content/virtual-panel-discussion-cum-public-consultation-on-transformation-of-criminal-justice-system-in-india>

# CITY AIR NEWS

DEDICATED TO LATE BHAIKUNTHI DEVI (JOURNALIST)      BIRTHDAY FEBRUARY 11

---

HOME - NATION - PUNJAB - BUSINESS - EDUCATION - SPORTS - LIFESTYLE - ENTERTAINMENT - OPINION - \*\*\*
Q

Home / Education / Virtual panel discussion cum public consultation on Transformation of Criminal Justice System in India

Education

## Virtual panel discussion cum public consultation on Transformation of Criminal Justice System in India

Ministry of Home Affairs, Government of India initiative

cityairnews | Oct 20, 2020 09:19

Facebook
Twitter
LinkedIn
WhatsApp
Pinterest
Telegram
Print



Symbiosis Law School Pune, a constituent of Symbiosis International (Deemed University), hosted a Panel Discussion cum Public Consultation cum Public Consultation on 'Transformation of Criminal Justice System in India'. The 'virtual Panel Discussion cum Public Consultation' was conducted on 19 October, 2020, from 3:00 pm to 7:30 pm.

The Government of India aims to make fundamental changes to the Indian Criminal Law framework and Criminal Justice System, in order to make it more accessible, affordable and citizen-centric. The Ministry of Home Affairs, Government of India, has therefore invited Symbiosis Law School, Pune, to engage in research cum public consultation to review the criminal laws of the country and bring forth the necessary recommendations by engaging the public to improve them. In furtherance of the same, a team of Symbiosis Law School, Pune reviewed the relevant literature and collected data from more than 120 stakeholders including Judges, Lawyers, Academicians, Police, third gender, psychologists, researchers, experts, forensic officers, paralegal volunteers, journalists, social workers, sociologist, accused/suspects, victims and Prison Officials, in order to understand the gaps of the Criminal Legal Justice System.

The event was moderated by Prof. Lakya Vyakaranam, who provided a brief introduction to the panel discussion cum public consultation. Dr. Shashikala Gurpur, Director, SLS-P and Dean, Faculty of Law, SI(DU), gave the Welcome Address and introduced the themes. Following the tradition of Symbiosis Law School, Pune, Dr. Gurpur impressed upon the audience the importance of community-based legal reform and the institution's commitment towards addressing social aspects of law through a "learn, unlearn and relearn approach". She also spoke of the stakeholders involved in the culmination of this Panel Discussion cum Public Consultation and the extensive research and review process undertaken by the SLS-P team that led to its unique contribution towards the betterment of the Criminal Justice System.

YOUR DREAM HOME FOR FREE!



TUESDAY 27TH OF OCTOBER 2020 06:28:05 PM

POWERS CUT IN LUDHIANA

The Guru Gyan Vihar family under 65 kv model town grid, Ludhiana will remain off on 27-10-20 from 10:00 am to 04:00 pm due to urgent and necessary maintenance work.

Affected areas -Chitra Jansik, Parkash Nagar, Guru Gyan Vihar sector-2,3,4,5, Gulari Nagar, Vishal Nagar, some part of Karnal Singh Nagar (Phase-2).

FOLLOW US

Facebook
Twitter

Pinterest
LinkedIn

Youtube
Email

RECOMMENDED POSTS



Opinion

What is Bill of Lading: Definition & Importance

Launch ceremony of novatec The

8. Business news this week - <http://businessnewsthisweek.com/business/virtual-panel-discussion-cum-public-consultation-on-transformation-of-the-criminal-justice-system-in-india-ministry-of-home-affairs-government-of-india-initiative/>

## BUSINESS NEWS THIS WEEK

A LEADING BUSINESS NEWS PORTAL

HOME BUSINESS ENTREPRENEURSHIP WORLD NEWS HEADLINES PRESS RELEASES CONTACT US

### FEATURED RESOURCES

Reviews of the Best Gambling Apps for Real Money in India 2020, at [sevenjackpots.com/casino-apps/](http://sevenjackpots.com/casino-apps/)

Visit <https://www.10cric.com/> Indias #1 operator for sportsbetting and casino games



SEARCH ...

## Virtual Panel Discussion Cum Public Consultation on Transformation of The Criminal Justice System In India Ministry of Home Affairs, Government of India Initiative

October 21, 2020 Gouri Achary Business 0

Business News This Week > Business > Virtual Panel Discussion Cum Public Consultation on Transformation of The Criminal Justice System In India Ministry of Home Affairs, Government of India Initiative



Symbiosis Law School Pune, a constituent of Symbiosis International (Deemed University), hosted a Panel Discussion cum Public Consultation cum Public Consultation on 'Transformation of Criminal Justice System in India'. The 'Virtual Panel Discussion cum Public Consultation' was conducted on 19 October, 2020, from 3:00 pm to 7:30 pm.



9. Lokmat Marathi newspaper - <https://www.lokmat.com/national/big-news-movements-change-criminal-law-central-government-a580/>

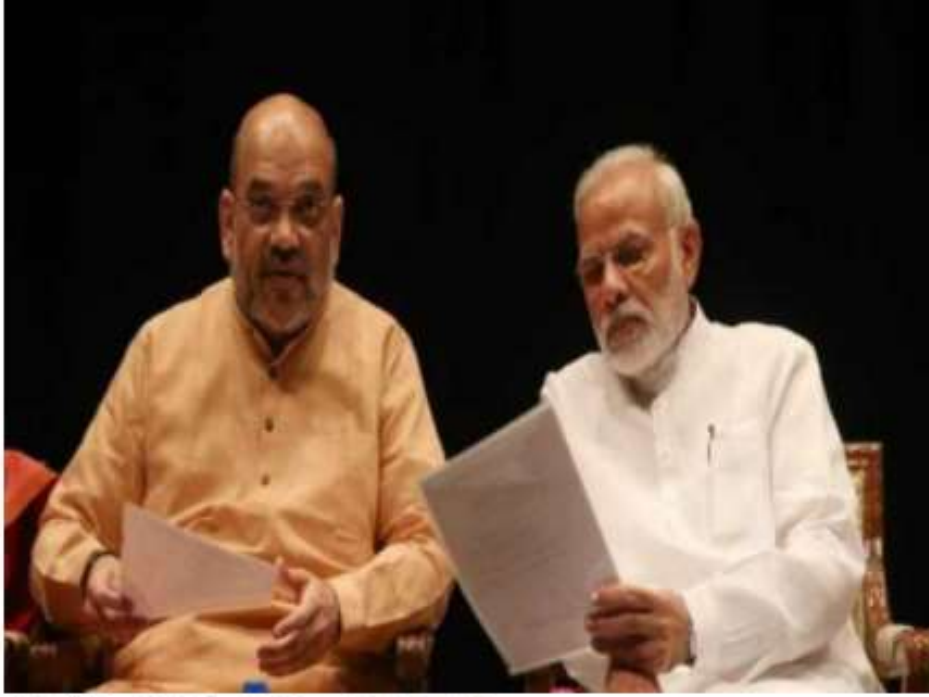
## मोठी बातमी : केंद्र सरकार फौजदारी कायद्यात बदल करण्याची शक्यता; हालचाली सुरू

केंद्र शासनाने भारतीय फौजदारी कायद्यात परिवर्तन करण्यासंदर्भात हालचाली सुरू केल्या

By ऑनलाइन लोकमत | Follow  | Published: October 21, 2020 02:11 PM | Updated: October 21, 2020 02:32 PM



A A



मोठी बातमी : केंद्र सरकार फौजदारी कायद्यात बदल करण्याची शक्यता; हालचाली सुरू

ठळक मुद्दे

- फौजदारी कायद्याचा आढावा : पुण्यातील सिम्बायोसिस विधी महाविद्यालयाकडून प्रक्रियेत सहभाग

पुणे : केंद्र शासनाने भारतीय फौजदारी कायद्यात परिवर्तन करण्यासंदर्भात हालचाली सुरू केल्या आहेत. प्रामुख्याने भारतीय दंड विधान, फौजदारी प्रक्रिया कांझिता, भारतीय पुरावा कायदा, अमली प्रदार्थ सेवन विरोधी कायद्यात सामान्यांना आर्थिक दृष्ट्या परवडणारे आणि लोकाभिमुख बदल करण्यात येणार आहेत. केंद्रीय गृह मंत्रालयाकडून ही प्रक्रिया सुरू

करण्यात आली असून या प्रक्रियेत सहभागी असलेल्या सिम्बायोसिस विधी महाविद्यालयाकडून फौजदारी कायद्याचा आढावा घेण्यास सुरुवात करण्यात आली आहे.

10. Sakal Marathi Newspaper - <https://www.esakal.com/pune/investigation-process-needs-change-increase-rate-sentencing-criminals-adv-ujjwal-nikam>

Newsletter | आजचा ई-पेपर  
Tuesday, October 27, 2020

सकाळ

प्रीनियम ताज्या मुख्य पुणे मुंबई महाराष्ट्र - देश ग्लोबल कोरोना LIVE TV आणखी... - गेम्स

Home > Pune > Investigation Process Needs To Change To Increase Rate Of Sentencing Of Criminals: Adv Ujjwal Nikam Expressed His Views

## गुन्हेगारांना शिक्षा देण्यासाठी अमेरिकन पद्धतीचा अवलंब हवा : ऍड. उज्ज्वल निकम

सकाळ वृत्तसेवा | Tuesday, 20 October 2020

महत्वाच्या गुन्हेगारांचा तपास करणाऱ्या अधिकाऱ्यांची बदली करू नये. तसे झाल्यास तपास अधिकारी आणि सरकारी वकील यांच्यामध्ये समन्वय साधून साक्षीदराने नेमके कथे सांगायचे आहे. गुन्हेगारांचा तपास नेमका कसा केला याची सविस्तर माहिती घ्यावी.

पुणे : "कायद्यातील पळ्याटा शोधून गुन्हेगार तिर्हाप सुटतात आणि शिक्षेचे प्रमाण घटते. त्यामुळे गुन्हेगारांना शिक्षा देण्याचे प्रमाण वाढविण्यासाठी तपास करणाऱ्यांच्या प्रक्रियेत बदल होणे गरजेचे आहे. त्यासाठी अमेरिकन पद्धतीचा अवलंब हवा," असे मत विशेष सरकारी वकील ऍड. उज्ज्वल निकम यांनी सोमवारी (ता.१९) व्यक्त केले.

11. Pune Samachar - <https://punesamachar.com/latest-news/online-discussion-session-on-changes-in-indian-criminal/cid1546153.htm>

## 'भारतीय फौजदारी न्याय प्रणाली में परिवर्तन' पर ऑनलाइन चर्चा-सत्र

Thu, 22 Oct 2020 <



**SYMBIOSIS LAW SCHOOL, PUNE**

No.	Section/Line	Problem	Recommendation	Justification	Remark (if any)
1	Section 24, 25 and 25A of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Appointment)	Lack of quality prosecutors/Prosecutors prosecution are not taken as private lawyers	1. Need to change the criteria for appointment of Prosecutors	1) Data No. 95% No. 95%	
	Appointment person with 7 year experience (Data are not taken)	Political interference	1.1. Better working of prosecution should be given verified after four years.	2) Other System: Foreign/Foreign	
	Political interference: Zahira Hashmi v. State of Gujarat 2004	Lack of accountability	Need to have independent body to review	3) Review: Not stated	
		Case conviction rate	1.2. Need to consider Recommendation of Judge/ Justice (High Court Judges, District Judges)		
		Lack of competitive exam. Merit are not tested while appointing the prosecutor			

**SYMBIOSIS INTERNATIONAL (DEEMED UNIVERSITY)**

पुणे।

सिम्बायोसिस लॉ कॉलेज का आयोजन

प्राध्यापक तास्या व्याकरणम ने इस चर्चासत्र का सूत्रसंचालन किया। डॉ. शशिकला गुरुरपुर, निदेशक एवं अधिष्ठाता, कानून शाखा सिम्बायोसिस अंतरराष्ट्रीय अभिमत विद्यापीठ ने सभी का स्वागत व विषयों की जानकारी दी। लॉ कॉलेज की उपनिदेशक डॉ. बिंदू रोनाल्ड ने चर्चासत्र में शामिल गणमान्यों का परिचय कराया। पुलिस अधिकारी व सरकारी वकील के बीच समन्वय से सजा दिलाने की प्रक्रिया में बढ़ोतरी विषय पर हुई पैलल चर्चा में विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम, एड. एस.के. जैन, एड. हितेश जैन, रिटायर्ड पुलिस अधिकारी भानुप्रताप बर्गे और वरिष्ठ क्राइम रिपोर्टर रोहित आठवले शामिल थे। गवाहों का संरक्षण विषय पर हुई चर्चा में मुंबई हाईकोर्ट की रिटायर जज डॉ. शालिनी फणसालकर जोशी, संशोधक और नीति सलाहकार आलोक अग्रवाल, अॅड. लतीका सालगावकर, डॉ. हरीश शेटी, (मानसोपचार विद), एड. हितेश जैन, (मुंबई उच्च न्यायालय) और रिटायर्ड पुलिस अधिकारी भानुप्रताप बर्गे ने हिस्सा लिया।

फौजदारी मामलों के पीड़ितों का संरक्षण और पुनर्वसन विषय पर हुई चर्चा में रिटायर्ड जज डॉ. शालिनी फणसालकर जोशी, डॉ. एस.सी. रैना, (निदेशक, के.आप.आय.टी. भुवनेश्वर), एड. एस. के. जैन, सुनील चौहान, निदेशक, एन.ए.एल.एस.ए.; डॉ. हरीश शेटी, (मानसोपचार विद), एड. लतीका सालगावकर शामिल हुए। मुकदमा निपटारा के कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग विषय पर एड. एस. के. जैन, नितीन कोठावले पाटिल, आईआरएस, एड. हितेश जैन, डॉ. डी. पी. सिंग, (समाजशास्त्रज्ञ), टी.आप.एस.एस. एड. संपत बुलुसु जनरल मैनेजर लीगत अॅड कॉर्पोरेट अफेयर्स, शैल हजीरा एल.एन.जी. ने हिस्सा लिया। जेल से छोड़ने के विषय पर न्यायमूर्ति शालिनी फणसालकर जोशी, एड. एस.के. जैन, एड. सुनील चौहान, निदेशक, एन.ए.एल.एस.ए. अरविंद तिवारी, टी. आप. आय. एस. डॉ. हरीश शेटी, (मानसोपचारतज्ज्ञ) और एड. संपत बुलुसु, शामिल थे। सायबर एंड फॉरेंसिक विषय पर हुई चर्चा में एड. सतीश मानेशिंदे, डॉ. अरविंद तिवारी, भानुप्रताप बर्गे, डॉ. हॅरोल्ड डीकोस्ता ( सायबर फॉरेंसिक विद), एड. हितेश जैन शामिल थे।

12. Talk Maharashtra - <https://talkmaharashtra.com/the-need-for-an-american-investigation-to-increase-the-rate-of-punishment-ujwal-nikam-1576/>

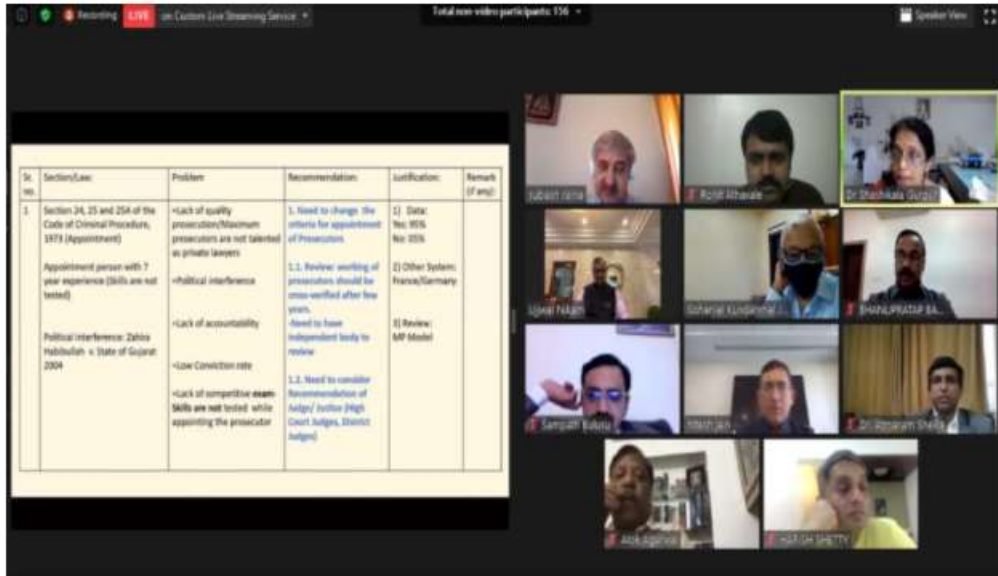


Home > News > शिक्षेचे प्रमाण वाढण्यासाठी अमेरिकन तपास पद्धतीची गरज - उज्वल निकम

## शिक्षेचे प्रमाण वाढण्यासाठी अमेरिकन तपास पद्धतीची गरज : उज्वल निकम

By Tmadmin — On Oct 22, 2020

NEWS



Share

0

पुणे : भारतातील फौजदारी गुन्हांमध्ये आरोपींना होणाऱ्या शिक्षेचे प्रमाण वाढण्यासाठी अमेरिकन तपास पद्धतीचा अवलंब करण्याची आवश्यकता असल्याचे मत अॅड. उज्वल निकम यांनी मांडले. 'भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीचे परिवर्तन' या विषयावरील ऑनलाईन चर्चासत्राचे आयोजन करण्यात आले होते.

केंद्र सरकारचा उद्देश केंद्रीय फौजदारी कायदेप्रणाली मध्ये परिवर्तन आणणेचा आहे. प्रामुख्याने भारतीय दंड विधान, फौजदारी प्रक्रिया संहिता, भारतीय पुरावा कायदा आणि अमली पदार्थ सेवन विरोधी कायदा यामध्ये सामान्यांना आर्थिक दृष्ट्या परवडणारे आणि लोकाभिमुख बदल करणे गरजेचे आहे. म्हणूनच भारत सरकारच्या गृह मंत्रालयाने सिंबायोसिस लॉ स्कूल पुणे येथे भारतीय फौजदारी कायद्याचा आढावा घेण्यासाठी चर्चा सत्र भरवले होते.

13. Maharashtra Breaking - <http://maharashtrabreaking.com/?p=15679>



Zoom Meeting | Custom Link: Zooming Service | Total new video participants: 136 | Question View

No.	Section/Law	Problem	Recommendation:	Justification:	Remark (If any)
1	Section 24, 25 and 25A of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Appointment)  Appointment person with 7 year experience (Differs are not listed)  Political interference. 2019a individual v State of Gujarat 2019	<ul style="list-style-type: none"> <li>-Lack of quality prosecution/Maximum prosecution are not tolerated as private lawyers</li> <li>-Political interference</li> <li>-Lack of accountability</li> <li>-Low Conviction rate</li> <li>-Lack of competitive exam: Skills are not tested while appointing the prosecutor</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>1. Need to change the criteria for appointment of Prosecution</li> <li>1.1. Review working of prosecution divided for cross-verified after law years.</li> <li>-Need to have independent body to review</li> <li>1.2. Need to consider Recommendation of judge/ Justice (High Court/Judge, District Judge)</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>1) Date: No/ Yes/ No/ O/S</li> <li>2) Other System: Present/Temporary</li> <li>3) Review: MP/Other</li> </ul>	

SYMBIOSIS INTERNATIONAL (DEEMED UNIVERSITY)

## भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीमधील परिवर्तन यावर ऑनलाईन चर्चासत्र

Posted By: Admin | on: October 22, 2020 | In: ताज्या बातम्या, देह-विदेश | No Comments | [Print](#) | [Email](#)

Share this post:



पुणे,(महाराष्ट्र ब्रेकिंग) - सिम्बायोसिस आंतरराष्ट्रीय अभिमत विद्यापीठाच्या सिम्बायोसिस विधी महाविद्यालय पुणे, इथे दिनांक १९ ऑक्टोबर २०२० रोजी दुपारी ३ ते सायंकाळी ७.३० पर्यंत 'भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीचे परिवर्तन' या विषयावरील ऑनलाईन चर्चासत्राचे आयोजन केले होते.

केंद्र सरकारचा उद्देश केंद्रीय फौजदारी कायदेप्रणाली मध्ये परिवर्तन आणणेचा आहे. प्रामुख्याने भारतीय दंड विधान, फौजदारी प्रक्रिया संहिता, भारतीय पुरावा कायदा आणि अमली पदार्थ सेवन विरोधी कायदा यामध्ये सामान्यांना आर्थिक दृष्ट्या परवडणारे आणि लोकाभिमुख बदल करणे गरजेचे आहे. म्हणूनच भारत सरकारच्या गृह मंत्रालयाने सिंबायोसिस लॉ स्कूल पुणे ला भारतीय फौजदारी कायद्याचा आढावा घेण्याच्या प्रक्रियेत आमंत्रित केलेले आहे.

# भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीमधील परिवर्तन यावर ऑनलाईन चर्चासत्र

— On Oct 22, 2020

तज्ज्ञां वातम्या पुणे



**SYMBIOSIS LAW SCHOOL, PUNE**

Recording LIVE on Custom Live Streaming Service. Total non-video participants: 156. Speaker View.

Sr. No.	Section/Law	Problem	Recommendation:	Justification:	Remark (if any):
1	Section 24, 25 and 25A of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Appointment)  Appointment person with 7 year experience (Skills are not tested)  Political interference: Zahira Habibullah v. State of Gujarat 2004	-Lack of quality prosecution/Maximum prosecutors are not talented as private lawyers  -Political interference  -Lack of accountability  -Low Conviction rate  -Lack of competitive exam- Skills are not tested while appointing the prosecutor	1. Need to change the criteria for appointment of Prosecutors  1. 1. Review: working of prosecutors should be cross-verified after few years.  -Need to have independent body to review  1. 2. Need to consider Recommendation of Judges/ Justice (High Court Judges, District Judges)	1) Data: Yes: 85% No: 05%  2) Other System: France/Germany  3) Review: MP Model	

Participants: Subash Rana, Rohit Alhavale, Dr. Shashikala Gupta, Ujjwal Nair, Saharaj Kundanmal J., BHANUPRATAP S.A., Sampath Sukta, Indesh Jain, Dr. Abhram Sheik, Alok Agrekar, HARSH SHETTY

## SYMBIOSIS INTERNATIONAL (DEEMED UNIVERSITY)

**पुणे : पोलीसनामा ऑनलाईन** - सिम्बायोसिस आंतरराष्ट्रीय अभिमत विद्यापीठाच्या सिम्बायोसिस विधी महाविद्यालय पुणे, इथे दिनांक १९ ऑक्टोबर २०२० रोजी दुपारी ३ ते सायंकाळी ७.३० पर्यंत 'भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीचे परिवर्तन' या विषयावरील ऑनलाईन चर्चासत्राचे आयोजन केले होते.

केंद्र सरकारचा उद्देश केंद्रीय फौजदारी कायदेप्रणाली मध्ये परिवर्तन आणणेचा आहे. प्रामुख्याने भारतीय दंड विधान, फौजदारी प्रक्रिया संहिता, भारतीय पुरावा कायदा आणि अमली पदार्थ सेवन विरोधी कायदा यामध्ये सामान्यांना आर्थिक दृष्ट्या परवडणारे आणि लोकाभिमुख बदल करणे गरजेचे आहे. म्हणूनच भारत सरकारच्या गृह मंत्रालयाने सिंबायोसिस लॉ स्कूल पुणे ला भारतीय फौजदारी कायद्याचा आढावा घेण्याच्या प्रक्रियेत आमंत्रित केलेले आहे.

15. YIN BUZZ (Sakal) - <https://www.yinbuzz.com/symbiosis-india-legal-system-reforms-online-discussion-31473>



होम बातमी राजकारण कॉलेजकट्टा झगमगाट करिअर LIVE TV आणखी काही



Home >> Blogs >> सिंबायोसिसतर्फे फौजदारी न्याय प्रणालीमधील परिवर्तनावर ऑनलाईन चर्चासत्र

## सिंबायोसिसतर्फे फौजदारी न्याय प्रणालीमधील परिवर्तनावर ऑनलाईन चर्चासत्र

चेन्नली देशमुख | Friday, 23 October 2020



केंद्र सरकारचा उद्देश केंद्रीय फौजदारी कायदेप्रणाली मध्ये परिवर्तन आणण्याचा आहे. प्रामुख्याने भारतीय दंड विधान, फौजदारी प्रक्रिया संहिता, भारतीय पुरावा कायदा आणि अंमली पदार्थ सेवन विरोधी कायदा यामध्ये सामान्यांना आर्थिकदृष्ट्या परवडणारे आणि लोकाभिमुख बदल करणे गरजेचे आहे. म्हणूनच भारत सरकारच्या गृह मंत्रालयाने सिंबायोसिस लॉ स्कूलला भारतीय फौजदारी कायद्याचा आढावा घेण्याच्या प्रक्रियेत सहभागी करून घेतले.



### भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीमधील परिवर्तनावर ऑनलाईन चर्चासत्र

पुणे: सिंबायोसिस अंतरराष्ट्रीय अभिमत विद्यापीठाच्या सिंबायोसिस विधी महाविद्यालयाच्या वतीने 'भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीचे परिवर्तन' या विषयावरील ऑनलाईन चर्चासत्राचे आयोजन नुकतेच करण्यात आले.

केंद्र सरकारचा उद्देश केंद्रीय फौजदारी कायदेप्रणाली मध्ये परिवर्तन आणण्याचा आहे. प्रामुख्याने भारतीय दंड विधान, फौजदारी प्रक्रिया संहिता, भारतीय पुरावा कायदा आणि अंमली पदार्थ सेवन विरोधी कायदा यामध्ये सामान्यांना आर्थिकदृष्ट्या परवडणारे आणि लोकाभिमुख बदल करणे गरजेचे आहे. म्हणूनच भारत सरकारच्या गृह मंत्रालयाने सिंबायोसिस लॉ स्कूलला भारतीय फौजदारी कायद्याचा आढावा घेण्याच्या प्रक्रियेत सहभागी करून घेतले.

सिंबायोसिस विधी महाविद्यालय पुणे ने संबंधित साहित्याचा आढावा घेतला आणि फौजदारी कायद्यातील त्रुटी समजून घेण्यासाठी न्यायाधीश, सरकारी वकील, वकील, शिक्षणतज्ज्ञ, पोलिस, निम सरकारी संस्था, प्रसारमाध्यमे, आणि कारागृह अधिकारी, यासह १२० हून अधिक फौजदारी प्रक्रियेतील प्रत्यक्ष आणि अप्रत्यक्ष सहभागीरादारांकडून माहिती गोळा केली.

प्राध्यापक लासा व्याकरणम यांनी कार्यक्रममाचे सूत्रसंचालन केले. डॉ. शशिकला गुरपूर, संचालिका आणि अधिष्ठाता, कायदा शाखा सिंबायोसिस अंतरराष्ट्रीय अभिमत विद्यापीठ यांनी स्वागत व विषयांची ओळख करून दिली.

पहिल्या पॅनेलचे मॉडरेशन डॉ.शशिकला गुरपूर तसेच डॉ. आत्माराम शोळके, वरिष्ठ सहाय्यक प्राध्यापक यांनी केले. 'पोलिस अधिकारी व सरकारी वकील यांच्यात समन्वय ठेवून शिक्षेमधील अपेक्षित वाढ' या विषयावर पॅनेलवर चर्चा झाली. यामध्ये विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम, अॅड. एस.के. जैन, अॅड. हितेश जैन, निवृत्त पोलीस अधिकारी भानुप्रताप बर्गे आणि पत्रकार रोहित आठवले सहभागी होते. संस्थेच्या उपसंचालिका डॉ. बिंदू रोनाल्ड यांनी आभारप्रदर्शन केले.



## 16. PC Live news -

<http://pclive7.com/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A5%80%E0%A4%B2-%E0%A4%AB%E0%A5%8C%E0%A4%9C%E0%A4%A6%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A5%80-%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%AF-%E0%A4%AA/>

## भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीमधील परिवर्तन यावर ऑनलाईन चर्चासत्र

Posted By: Admin on: October 23, 2020 In: देश, पिंपरी-चिंचवड, पुणे, राज्य No Comments

Print Email

**SYMBIOSIS LAW SCHOOL, PUNE**

Recording LIVE on Custom Live Streaming Service Total non video participants: 156 Speaker View

Sr. No.	Sections/Law.	Problem	Recommendation:	Justification:	Remark (f ans)
1	Section 24, 25 and 25A of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Appointment)  Appointment person with 7 year experience (Skills are not tested)  Political interference: Zahira Husabulahi v. State of Gujarat 2004	-Lack of quality prosecutors/Maximum prosecutors are not talented as private lawyers  -Political interference  -Lack of accountability  -Low Conviction rate  -Lack of competitive exam- Skills are not tested while appointing the prosecutor	1. Need to change the criteria for appointment of Prosecutors  1.1. Review: working of prosecutors should be cross-verified after few years.  -Need to have independent body to review  1.2. Need to consider Recommendation of judge/ justice (High Court Judges, District Judges)	1) Data: Yes: 95% No: 05%  2) Other Systems: France/Germany  3) Review: MP Model	

**SYMBIOSIS INTERNATIONAL (DEEMED UNIVERSITY)**

पुणे (Pclive7.com):- सिम्बायोसिस आंतरराष्ट्रीय अभिमत विद्यापीठाच्या सिम्बायोसिस विधी महाविद्यालय पुणे, इथे दिनांक १९ ऑक्टोबर २०२० रोजी दुपारी ३ ते सायंकाळी ७.३० पर्यंत 'भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीचे परिवर्तन' या विषयावरील ऑनलाईन चर्चासत्राचे आयोजन केले होते. केंद्र सरकारचा उद्देश्य केंद्रीय फौजदारी कायदेप्रणालीमध्ये परिवर्तन आणणेचा आहे. प्रामुख्याने भारतीय दंड विधान, फौजदारी प्रक्रिया संहिता, भारतीय पुरावा कायदा आणि अमली पदार्थ सेवन विरोधी कायदा यामध्ये सामान्यांना आर्थिक दृष्ट्या परवडणारे आणि लोकाभिमुख बदल करणे गरजेचे आहे. म्हणूनच भारत सरकारच्या गृह मंत्रालयाने सिम्बायोसिस लॉ स्कूल पुणे ला भारतीय फौजदारी कायद्याचा आढावा घेण्याच्या प्रक्रियेत आमंत्रित केलेले आहे.

सिम्बायोसिस विधी महाविद्यालय पुणे ने सर्वधित साहित्याचा आढावा घेतला आणि फौजदारी कायद्यातील त्रुटी समजून घेण्यासाठी न्यायाधीश, सरकारी वकील, वकील, शिक्षणतज्ज्ञ, पोलिस, निम सरकारी संस्था, प्रसारमाध्यमे, आणि कारागृह अधिकारी, यासह १२० हून अधिक फौजदारी प्रक्रियेतील प्रत्यक्ष आणि अप्रत्यक्ष भागधारकांकडून माहिती गोळा केली. प्राध्यापक लासा व्याकरणम यांनी कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन केले. डॉ.शशिकला गुरपूर, संचालिका आणि अधिष्ठाता, कायदा शाखा सिम्बायोसिस अंतरराष्ट्रीय अभिमत विद्यापीठ यांनी स्वागत व विषयाची ओळख करून दिली. आणि सिम्बायोसिस विधी महाविद्यालयाच्या परंपरेनंतर समाजातील कायदेशीर सुधारणेतील योगदानाबद्दल माहिती दिली. तसेच सदर कार्यक्रमाबद्दल विशेषतः संशोधन आणि फौजदारी प्रक्रियेबद्दल बोलल्या.

डॉ. विद्व रोनाल्ड, उपसंचालिका, सिम्बायोसिस विधी महाविद्यालय, पुणे यांनी उपस्थित मान्यवरांचा परिचय करून दिला. या कार्यक्रमांमध्ये ठराविक विषयानुसार सिम्बायोसिसच्या टीम ने सुचवलेल्या शिफारशींचा आढावा घेण्यात आला आणि प्रत्येक विषयानंतर ऑनलाईन प्रश्नावली पाठवून त्यावरती ऑनलाईन पद्धतीनेच मते घेण्यात आली.



# फौजदारी न्याय प्रणालीमधील परिवर्तनावर ऑनलाइन चर्चासत्र

पुणे | प्रतिनिधी

केंद्र सरकारचा उद्देश केंद्रीय फौजदारी कायदेप्रणाली मध्ये परिवर्तन आणणेचा आहे. प्रामुख्याने भारतीय दंड विधान, फौजदारी प्रक्रिया संहिता, भारतीय पुरावा कायदा आणि अमली पदार्थ सेवन विरोधी कायदा यामध्ये सामान्यांना आर्थिक दृष्ट्या परवडणारे आणि लोकाभिमुख बदल करणे गरजेचे आहे. म्हणूनच भारत सरकारच्या गृह मंत्रालयाने सिंबायोसिस लॉ स्कूल पुणे ला भारतीय फौजदारी कायद्याचा आढावा घेण्याच्या प्रक्रियेत आमंत्रित केलेले आहे. यादृष्टीने सिंबायोसिस विधी महाविद्यालय येथे 'भारतातील फौजदारी न्याय प्रणालीचे परिवर्तन

' या विषयावरील ऑनलाईन चर्चासत्राचे नुकतेच आयोजन करण्यात आले.

सिंबायोसिस विधी महाविद्यालयने संबंधित साहित्याचा आढावा घेतला आणि फौजदारी कायद्यातील त्रुटी समजून घेण्यासाठी न्यायाधीश, सरकारी वकील, वकील, शिक्षणतज्ज्ञ, पोलिस, निम सरकारी संस्था, प्रसारमाध्यमे, आणि कारागृह अधिकारी, यासह १२० हून अधिक फौजदारी प्रक्रियेतील प्रत्यक्ष आणि अप्रत्यक्ष भागधारकांकडून माहिती गोळा केली. 'पोलिस अधिकारी व सरकारी वकील यांच्यात समन्वय ठेवून शिक्षेमधील अपेक्षित वाढ' या विषयावर पहिल्या सत्रात पॅनेलवर चर्चा झाली.